दूरस्थ शिक्षा संवर्द्धन प्रकोष्ठ

प्रवेश पूर्व परामर्श

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के हल्द्वानी क्षेत्रीय कार्यालय और जिला नैनीताल में के अन्तर्गत 08 ब्लॉक हैं- हल्द्वानी, रामनगर, कोटाबाग, रामगढ़, बेतालघाट, ओखलकाण्डा, धारी और भीमताल। विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा संवर्द्धन प्रकोष्ठ के एक सदस्यीय दल द्वारा इन ब्लॉकों में पहाड़ी क्षेत्रों के दुगर्म इलाकों में स्थित इण्टर कालेजों का भ्रमण तथा ब्लॉक शिक्षा कार्यालय में, ब्लॉक के विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के साथ बैठक में प्रतिभाग कर उन्हें विश्वविद्यालय के सम्बन्ध में और विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे पाठ्यक्रमों से अवगत कराना है। पहाड़ के दुगर्म क्षेत्रों में जहाँ विश्वविद्यालय का अध्ययन केन्द्र नहीं है, वहाँ अध्ययन केन्द्र खुलवाने का प्रयास करना है। प्राईवेट परीक्षा व्यवस्था समाप्त होने और उसके एकमात्र विकल्प के रूप में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय है, इसकी जानकारी विद्यालय के विद्यार्थियों को, शिक्षकों को और जनप्रतिनिधियों सहित सभी को देना है।

विश्वविद्यालय के सम्बन्ध में अधिक जानकारी और सम्पर्क के लिए प्रत्येक इण्टर कालेज में विश्वविद्यालय की पुरानी विवरणिका(2016-17) तथा एक छोटा सा बैनर, जिसमें पाठ्यक्रमों के विवरण के साथ विश्वविद्यालय का टौल फ्री नम्बर, प्रवेश का नम्बर, ई मेल और वैबसाइट का पता है, दे रहे हैं और साथ ही ब्रोसर भी दे रहे हैं।

बैनर

ब्रोसर

सर्वप्रथम दिनांक 14 जूलाई 2017 को धारी ब्लाक के 'राजकीय इण्टर कालेज गुनियालेख' का भ्रमण किया गया। यहाँ के प्रधानाचार्य श्री रमेश चन्द्र द्विवेदी जी से मिले और इसी के साथ अन्य अध्यापकों से भी वार्ता हुई, जिसमें अध्यापकों द्वारा विश्वविद्यालय द्वारा पाठ्यक्रमों के सम्बन्ध में पुछे गये प्रश्नों का उत्तर दिया गया। फिर इसके उपरान्त कक्षा 10वीं, 11वीं और 12वीं के लगभग 100 छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्हें विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे पाठ्यक्रमों के संबंध में और विशेषकर व्यवसायिक पाठ्यक्रमों के संबंध में जानकारी दी गयी। उन्हें यह बताया गया कि जो विद्यार्थी 12वीं के उपरान्त कहीं कोचिंग करने निकल जाते हैं या नौकरी करने लगते हैं, तो उच्च शिक्षा ग्रहण करने के इच्छुक इन विद्यार्थियों के लिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय एक अच्छा और उचित माध्यम है। आपके द्वारा अपने रिस्तेदारों और परिचितों को जो कोई ना कोई रोजगार कर रहे हैं और अपना रोजगार करते हुए उच्च शिक्षा लेना चाहते हैं तो आप उन्हें उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के बारे में बता सकते हैं। योग, पयर्टन, होटल मैनेजमैन्ट, मैनेजमैन्ट, पत्रकारिता, कम्प्यूटर विज्ञान, में प्रमाण-पत्र, डिप्लोमा, पी0जी0 डिप्लोमा यू0जी0 और पी0जी0

ऐसे व्यवसायिक पाठ्यक्रम हैं जो आपको रोजगार दिलाने में सहायक होंगे। साथ ही विद्यार्थियों को इस संबंध में भी जानकारी दी गयी कि अब व्यक्तिगत परीक्षा जैसी कोई शिक्षा व्यवस्था नहीं है। आप को या तो संस्थागत विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेना होगा या उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा लेनी होगी। यह राज्य सरकार का एक मात्र मुक्त विश्वविद्यालय है और सरकारी विश्वविद्यालय है, जैसे अन्य विश्वविद्यालय हैं- कुमाऊँ विश्वविद्यालय या गढ़वाल विश्वविद्यालय।

राजकीय इण्टर कालेज गुनियालेख

इसके उपरान्त राजकीय इण्टर कालेज धानाचूली का भ्रमण किया गया। यहाँ पर प्रधानाचार्य श्री पी0 बी0 दुबे जी से मुलाकात कर भ्रमण-कार्य का प्रयोजन बताया गया तथा अन्य अध्यापकों के साथ भी चर्चा की गयी। विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे परम्परागत पाठ्यक्रमों और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा होने के उपरान्त 11वीं और 12वीं कक्षा के कला और विज्ञान-वर्ग के विद्यार्थियों से विश्वविद्यालय और विश्वविद्यालय द्वारा चलाऐ जा रहे व्यवसायिक और अन्य पाठ्यक्रमों पर वार्ता हुई। प्राईवेट जैसी शिक्षा-व्यवस्था अब समाप्त हो गयी है, इस संबंध में भी उनको जानकारी दी गयी।

राजकीय इण्टर कालेज धानाचूली

दिनांक 15 जूलाई 2017 को राजकीय इण्टर कालेज चौंरलेख(जिला नैनीताल, ब्लाक धारी) में जाकर सर्वप्रथम अध्यापक श्री पंकज वर्मा जी से मुलाकात की। कालेज के प्रधानाचार्य श्री रामलौट शुक्ल जी विद्यालय में उपस्थित नहीं थे, वे विद्यालय के कार्य से बाहर थे। पंकज वर्मा जी से मिलने पर उनके विद्यालय में भ्रमण का प्रयोजन बताया गया। अध्यापकों के विश्राम-कक्ष में बैठ कर अध्यापकों की विश्वविद्यालय और विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे पाठ्यक्रमों से संबंधित प्रश्नों का उत्तर दिया गया और पाठ्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा हुई। इसके उपरान्त कक्षा 12वीं

के कला वर्ग के लगभग 30 विद्यार्थियों से विश्वविद्यालय और विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे पाठ्यक्रमों पर चर्चा हुई। व्यक्तिगत परीक्षा व्यवस्था को लेकर भी उनसे विस्तार से बात हुई।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का एक अध्ययन केन्द्र विद्यालय में खोलने को लेकर भी अध्यापकों से बात हुई। परन्तु विद्यालय में भवन और स्टाफ की कमी को बताते हुए उन्होंने इसके लिए मना कर दिया। खुटानी(भीमताल) नामक स्थान से लेकर पहाड़पानी तक के 75 किमी के स्थल पर विश्वविद्यालय का एक भी अध्ययन केन्द्र नहीं है।

राजकीय इण्टर कालेज, चौंरलेख

राजकीय इण्टर कालेज चौंरलेख के बाद पहाड़पानी के खीम राम आर्य इण्टर कालेज का भ्रमण किया गया। यहाँ पर भी प्रधानाचार्य श्री मलकानी जी उपस्थित नहीं थे। वे विद्यालय के ऑडिट के कार्य से बाहर थे। यहाँ पर जीव विज्ञान के अध्यापक श्री भट्ट जी से मिले और इसी के साथ अन्य अध्यापकों से भी वार्ता हुई। उन्हें भ्रमण पर आने के प्रयोजन की जानकारी दी गयी और फिर विश्वविद्यालयऔर उसके पाठ्यक्रमों पर उनसे चर्चा हुई। विद्यालय में सेवानिवृत अध्यापक और समाज सेवी श्री धनी राम आर्या जी से भी मुलाकात हुई और विश्वविद्यालय और विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे पाठ्यक्रमों पर चर्चा हुई। यहाँ पर भी विश्वविद्यालय का एक अध्ययन केन्द्र खोलने के लिए अध्यापकों से वार्ता हुई, जिस पर वे स्थान और अध्यापकों की कमी को बताते हुए मना कर गये।

इसके उपरान्त विद्यालय के कक्षा11वीं और 12वीं के लगभग 150 विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के संबंध में और विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे पाठ्यक्रमों के संबंध में उनको जानकारी दी। व्यवसायिक पाठ्यक्रमों को करने से होने वाले लाभ और रोजगार के बढते सम्भावनाओं पर भी विद्यार्थियों को बताया। रोजगार के साथ-साथ आप उच्च शिक्षा लेने के लिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश ले सकते हैं, इसका आप लाभ उठाऐं और अपने परिचितों और संबंधियों का भी इस पर मार्गदर्शन करें। प्राईवेट परीक्षा जैसी अब कोई व्यवस्था नहीं है, इस संबंध में भी उनको जानकारी दी गयी।

राजकीय इण्टर कालेज पहाड़पानी

कालेज से निकलने के उपरान्त 'टैरी' नाम की स्वयंसेवी संस्था में गये, जो कृषि और वनिकी पर गांव के लोगों के साथ कार्य करती है, इस उद्देश्य से गये कि यहाँ पर आने वाले ग्रामीण विश्वविद्यालय से और विश्वविद्यालय द्वारा चालाये जा रहे पाठ्यक्रमों से, विशेषकर एम0एस0डब्ल्यू0 के संबंध में जान पायेंगे और क्या 'टैरी' सस्था विश्वविद्यालय का एक अध्ययन केन्द्र हो सकता है। किन्तु संस्था के अधिकारी और कर्मचारी गॉवों के भ्रमण पर थे और उनसे वार्ता नहीं हो सकी।

दिनांक 18 जूलाई 2017 को राजकीय इण्टर कालेज बबियाड़ का भ्रमण किया गया। यह धारी ब्लॉक के अति दुर्गम क्षेत्र का विद्यालय है। सर्वप्रथम विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री श्याम सिंह घुड़दौड़ जी से मिले और उन्हें अपने आने और विश्वविद्यालय के सम्बन्ध और उसके द्वारा चलाए जा रहे पाठ्यक्रमों के सम्बन्ध में विस्तार से बताया। वार्ता के दौरान विद्यालय के अन्य अध्यापक भी शामिल हुए, उन्होंने भी विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे पाठ्यक्रमों और प्रवेश की प्रक्रिया के सम्बन्ध में अनेक प्रश्न किए। इसके उपरान्त 11वीं और 21वीं कक्षा के विद्यार्थियों के साथ उनकी कक्षा में जाकर विश्वविद्यालय के सम्बन्ध में और उसके द्वाराचलाए जा रहे पाठ्यक्रमों के सम्बन्ध में जानकारी दी।

बबियाड़ इण्टर कालेज के बाद ब्लाक ओखलकाण्डा जिला नैनीताल के राजकीय इण्टर कालेज पुटगांव में गये। पूरा ओखलकाण्डा ब्लॉक दुगर्म और अति दुर्गम क्षेत्र में आता है। यहाँ पर प्रधानाचार्य श्री रामनारायण कुशवाह जी नहीं मिले। प्रभारी और अध्यापक श्री कन्नु जोशी जी से मुलाकात हुई। उनसे मिलने के उपरान्त विद्यालय के विद्यार्थियों से मैदान में विश्वविद्यालय के सम्बन्ध में और विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे पाठ्यक्रमों के बारे में चर्चा हुई। व्यक्तिगत परीक्षा व्यवस्था के समाप्त होने और उसके विकल्प के तौर पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय है, यह जानकरी विद्यार्थियों को दी गयी। इसके उपरान्त विद्यालय के अध्यापकों के साथ वार्ता की गयी। वार्ता के दौरान प्रभारी और अध्यापक श्री कन्नु जोशी जी से विश्वविद्यालय का अध्ययन केन्द्र लेने की बात हुई, जिसे उन्होंने भवन और अध्यापकों की कमी के चलते मना कर दिया। इस ब्लॉक में एक डिग्री कालेज है, जो पतलोट में है। यह डिग्री कालेज राजकीय इण्टर कालेज पतलोट के भवन में चलता है। उच्च शिक्षा के लिए यहाँ के युवाओं के पास कोई सुगम विकल्प नहीं है।

राजकीय इण्टर कालेज बबियाड़ **राजकीय इण्टर कालेज पुटगांव**

दिनांक 19 जूलाई 2017 को राजकीय इण्टर कालेज ओखलकाण्डा में गये। यहाँ पर पहले विद्यालय के अध्यापकों के साथ चर्चा की गयी। इसके उपरान्त विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ0 बृज भूषण पाठक जी से चर्चा की गयी। चर्चा के बाद विद्यालय के 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों से उच्च शिक्षा और व्यवसायिक शिक्षा के लिए के लिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों पर चर्चा हुई। प्रधानाचार्य पाठक जी ने भी विश्वविद्यालय का अध्ययन केन्द्र खोलने पर अपनी सहमति नहीं दी।

राजकीय इण्टर कालेज, ओखलकाण्डा

इसके उपरान्त धारी ब्लॉक के ब्लॉक संसाधन केन्द्र पर और न्याय पंचायत संसाधन केन्द्र पर गये। यहाँ पर बीआरसी के श्री आर0 एस0 बोरा जी से वार्ता हुई और बी0 ओ0 की बैठक कब होगी, इस सम्बन्ध में जानकारी ली गयी, ताकि उस बैठक में शामिल होकर ब्लॉक के सारे प्रधानाचार्यों के साथ बैठक की जाए और उन्हें उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों के सम्बन्ध में जानकारी दी जाए और अपने विद्यार्थियों को इससे अवगत करा सकें।

दिनांक 20 जूलाई 2017 को ओखलकाण्डा ब्लॉक के राजकीय इण्टर कालेज खनस्यूँ का भ्रमण किया गया। पहले विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री कुन्दन सिंह नयाल जी से मिल कर, उन्हें आने का कारण बताया गया तथा इस दुर्गम क्षेत्र में विश्वविद्यालय का कोई अध्ययन केन्द्र ना होने पर क्षेत्र के युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखकर एक अध्ययन केन्द्र खोलने का आग्रह किया गया, जिस पर उन्होंने अपनी सहमति दी और इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो0 आर0 सी0 मिश्रा सर से बात की गयी। इसके बाद 12वीं कक्षा के कला और विज्ञान-वर्ग के विद्यार्थियों को उनकी कक्षा में जाकर विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों के सम्बन्ध में और प्राईवेट परीक्षा प्रणाली के

सम्बन्ध में बताया। पहली बार किसी विद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रश्न पुछे। एक छात्र ने क्षेत्र में विश्वविद्यालय का अध्ययन केन्द्र ना होने की समस्या पर अपना प्रश्न किया। अन्य कई विद्यार्थियों ने पाठ्यक्रमों और प्रवेश प्रणाली को लेकर प्रश्न किये। विद्यार्थियों के सभी प्रश्नों का उत्तर दिया गया। वार्ता के दौरान खनस्यूँ के प्रधानाचार्य श्री नयाल जी ने बताया कि पूरा ओखलकाण्डा ब्लॉक दुर्गम क्षेत्र में आता है और यहाँ पर बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए पतलोट में मात्र एक राजकीय महाविद्यालय है। उन्होंने बताया कि 21 जूलाई को बी0 ओ0 कार्यालय में ब्लॉक के सभी प्रधानाचार्यों की बैठक है, इसमें आप आकर अपनी बात रखें। ये एक अवसर था जिसमें ओखलकाण्डा ब्लॉक में विश्वविद्यालय और पाठ्यक्रमों के सम्बन्ध में विस्तार से चर्चा की जाए और अध्ययन केन्द्र खोलने की सम्भावनाओं को तलाशा जाए।

राजकीय इण्टर कालेज, खनस्यूँ

इसी विचार को ध्यान में रखकर दिनांक 21 जूलाई 2017 को ब्लॉक संसाधन केन्द्र, ओखलकाण्डा खनस्यूँ का भ्रमण किया गया। बैठक का समय प्रात: 10 बजे का था। बैठक देर से शुरू हुई। सबसे पहले ब्लॉक शिक्षा अधिकारी श्री राजवीर सिंह जी से मिल कर अपने आने का प्रयोजन बताते हुए उनसे प्रधानाचार्यों के साथ वार्ता करने का समय मांगा। उन्होंने इसे स्वीकार करते हुए बैठक के मध्यकाल में मुझे बुलाया और अपनी बात रखने को कहा। इस बैठक में इण्टर कालेजों के साथ-साथ हाई स्कूल के प्रधानाचार्य भी थे। बैठक में विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे पाठ्यक्रमों के सम्बन्ध में चर्चा हुई और ये चर्चा हुई कि आप अपने विद्यालय से 12वीं पास किये विद्यार्थियों का उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय एक उचित माध्यम है, इसकी जानकारी दे सकते हैं। चर्चा के दौरान कई प्रधानाचार्यों ने विश्वविद्यालय, उसके पाठ्यक्रमों और पाठ्यक्रमों की फीस को लेकर सवाल किये। ओखलकाण्डा ब्लॉक में विश्वविद्यालय का एक भी अध्ययन केन्द्र ना होने पर मैंने ब्लॉक आफिसर श्री राजवीर जी से और सभी प्रधानाचार्यों से क्षेत्र की दुर्गम भौगोलिक स्थिति को देखते हुए अध्ययन केन्द्रों को खोलने पर आग्रह किया। बी0 ओ0 राजवीर सिंह ने ये प्रश्न किया कि आप आप हमें इस ब्लॉक में कितने अध्ययन केन्द्र दे सकते हैं। मैंने उत्तर दिया कि हर 15 से 20 किलोमीटर पर एक अध्ययन केन्द्र हो सकता है। 4 से 5 अध्ययन केन्द्र हो सकते हैं। कई प्रधानाचार्य अपने यहाँ अध्ययन केन्द्र खोलने के लिए अपनी सहमति देने लगे, किन्तु बीच में ही बी0ओ0 बोल बैठे कि सब जगह अध्ययन केन्द्र खोलना संभव नहीं है। यदि आप विद्यार्थियों का प्रवेश ही नहीं करा पाये तो वह अध्ययन केन्द्र बन्द हो जायेगा, जो ठीक नहीं है। बी0ओ0 बोले कि इस पर बैठक के अन्त में क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति को

देखते हुए कहाँ पर अध्ययन केन्द्र हो सकते हैं, इस पर चर्चा करेंगे। अध्ययन केन्द्र कहाँ-कहाँ पर हो सकते हैं, ये तय होने पर विश्वविद्यालय से सम्पर्क किया जायेगा। बी0ओ0 श्री राजवीर सिंह अध्ययन सामग्री, बच्चों की काउंसलिंग आदि को लेकर भी अनेक प्रश्न किये।

विश्वविद्यालय और पाठ्यक्रमों की जानकारी के लिए बी0ओ0 सहित सभी प्रधानाचार्यों को पुरानी विवरणिका दी गयी। तथा एक-एक बैनर दिया गया, ताकि प्रधानाचार्य अपने-अपने विद्यालयों में इसे लगवाऐं, जिससे विद्यार्थी तथा अन्य इससे विश्वविद्यालय के सम्बन्ध में जानकारी ले सकें।

ब्लॉक संसाधन केन्द्र, ओखलकाण्डा

अन्त में मेरी वार्ता सुश्री सुशीला जोशी प्रधानाचार्य कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, से हुई। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र की बहुत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मेरे ही विद्यालय से पास हुई कई लड़कियां उच्च शिक्षा के लिए कहीं प्रवेश ही नहीं ले पा रहीं, क्यों कि इस क्षेत्र में उनके पास कोई विकल्प ही नहीं है। आपका विश्वविद्यालय उनके लिए उच्च शिक्षा और व्यवसायिक शिक्षा के लिए एक उचित माध्यम हो सकता है। उन्होंने कहा कि पिछले 2-3 सालों की 21वीं पास लड़कियां जो अच्छे अंकों से पास हैं, उनका कहीं प्रवेश ही नहीं है।

जिला नैनीताल के ब्लॉक धारी और ओखलकाण्डा में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का एक भी अध्ययन केन्द्र नहीं है। यह क्षेत्र दुर्गम और अति दुर्गम में आता है। अत: यहाँ पर अध्ययन केन्द्रों का खोला जाना अति आवश्यक है।

भ्रमण किये गये स्थानों का विवरण

जिला	ब्लॉक	भ्रमण किये गये स्थान	दिनांक
नैनीताल	धारी	राजकीय इण्टर कालेज, गुनियालेख	14-07-2017
		राजकीय इण्टर कालेज, चौंरलेख राजकीय इण्टर कालेज, पहाड़पानी	15-07-2017
		राजकीय इण्टर कालेज, बबियाड़	18-07-2017
	ओखलकाण्डा	राजकीय इण्टर कालेज, पुटगांव	18-07-2017
		राजकीय इण्टर कालेज, ओखलकाण्डा	19-07-2017
		राजकीय इण्टर कालेज, खनस्यूँ	20-07-2017
		ब्लॉक संसाधन केन्द्र, ओखलकाण्डा (खनस्यूँ)	21-07-2017
		कस्तूरबा गॉधी बालिका विद्यालय, खनस्यूँ	21-07-2017

सम्पर्क किये गये अध्यापकों का विवरण

नाम	विद्यालय	नम्बर
श्री रमेश चन्द्र द्विवेदी	प्रधानाचार्य, राजकीय इण्टर कालेज, गुनियालेख	8475879837
श्री बी0 पी0 दुबे	प्रधानाचार्य, राजकीय इण्टर कालेज, धानाचुली	9411195171
श्री पंकज वर्मा	अध्यापक, राजकीय इण्टर कालेज, चौंरलेख	9411541841
श्री कैड़ाकोटी	अध्यापक, राजकीय इण्टर कालेज, पहाड़पानी	9410568118
श्री श्याम सिंह घुड़दौड़	प्रधानाचार्य, राजकीय इण्टर कालेज, बबियाड़	9411374397
श्री कन्नु जोशी	अध्यापक, राजकीय इण्टर कालेज, पुटगांव	9412087835
डॉ0 बृज भूषण पाठक	प्रधानाचार्य, राजकीय इण्टर कालेज, ओखलकाण्डा	9917692313
श्री कुंदन सिंह नयाल	प्रधानाचार्य, राजकीय इण्टर कालेज, खनस्यूँ	9410906482
श्री राजवीर सिंह	ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, ओखलकाण्डा	9412917364
सुश्री सुशीला जोशी	प्रधानाचार्य, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, खनस्यूँ	9412410769 05942243409

डॉ0 घनश्याम जोशी

सदस्य, दूरस्थ शिक्षा संवर्द्धन प्रकोष्ठ